CHAPTER 7

बादल राग

PAGE 43, प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:1

अस्थिर सुख पर दुख की छाया पंक्ति में दुख की छाया किसे कहा गया है और क्यों?

उत्तर: मानव जीवन में दुखों और कष्टों के साथ, कवि ने पूंजीपतियों द्वारा समाज में किए गए अत्याचार और शोषण को दुख की छाया कहा है। उनका मानना है कि दुनिया में खुशी कभी भी स्थायी नहीं होती। इसके साथ ही दु: ख का प्रभाव भी है। पूँजीपति कमजोर वर्गों का शोषण करके अपार धन जमा करता है। कमजोर को कमजोर करता है, लेकिन हमेशा उसके खिलाफ क्रांति के डर से घिरा रहता है। वह सब कुछ छीन लेने के भय से त्रस्त है।

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:2

अशनि-पात से शापित उन्नत शत -शत वीर पंक्ति में किसकी ओर संकेत किया गया है?

उत्तर: इस पंक्ति से कवि ने दो लोगों की ओर संकेत किया है। सबसे पहले कवि पूंजीपति वर्ग को संबोधित कर रहा है जो श्रमिकों और किसानों का शोषण करता है और इस आड़ में रहता है कि उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। कवि का दूसरा सम्बोधन बादलों को है। कवि के अनुसार बादल ही क्रांति का आगाज करते है इसलिए समाज में व्याप्त अत्याचारियों को मार सकते हैं।

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:3

विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते पंक्ति में विप्लव-रव से क्या तात्पर्य है? छोटे ही है, शोभा पाते ऐसा क्यों कहा गया है?

उत्तर: “क्रांति-गर्जना”,विप्लव-रव से कवि का यही तात्पर्य है । यहाँ "छोटा" का अर्थ है आम आदमी। कवि कहता है कि जब भी कोई क्रांति होती है, तो शोषक वर्ग के सिंहासन को दोल जाते हैं। उनकी सम्पत्ति और संप्रभुता सब ख़त्म हो जाती है।

कवि का मानना है कि क्रांति से केवल एक छोटे व्यक्ति को ही गौरव प्राप्त होता है, यानी केवल आम आदमी को ही क्रांति का कुछ लाभ मिलता है। क्योंकि वह शोषण का शिकार है। उसका कुछ नहीं छीनता क्योंकि उसके पास कुछ भी नहीं बचा है। लेकिन क्रांति के बाद उसे कुछ अधिकार मिलते हैं। उसका शोषण समाप्त होता है।

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:4

बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन -किन परिवर्तनों को कविता रेखांकित करती है?

उत्तर: प्रकृति में बादलों के आने से कई बदलाव होते हैं। बादलों का आगमन आकाश को बादलों से भर देता है। आसमान गरजने लगता है और बिजली चमकने लगती है। धरती का दिल बिजली की गर्जना से थर्राता है। चारों ओर गंभीर तूफान आते हैं और उसी समय, मूसलाधार बारिश शुरू हो जाती है। वर्षा जल प्राप्त करने के बाद, पृथ्वी के अंदर निष्क्रिय बीज में अंकुरित होते हैं। छोटे पौधे फिर से उठते हैं और हवा के साथ वे हिलने और झूलने लगते हैं। वर्षा जल

प्राप्त करने के बाद किसानों की बांछे भी खिल जाती हैं।

PAGE 43, अभ्यास - व्याख्या कीजिए

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - व्याख्या कीजिए:1

1. तिरती है समीर-सागर पर

अस्थिर सुख पर दुख की छाया-

जग के दग्ध हृदय पर

निर्दय विप्लव की प्लावित माया-

२. अट्टालिका नहीं है रे

आतंक-भवन

सदा पंक पर ही होता

जल-विलप्व-प्लावन

उत्तर:

1. बादलों को संबोधित करते हुए, कवि कहता है कि आप उसी रूप के समुद्र में तैरते हैं। यानी उनकी नाव लोगों की मर्जी से हवा के समुद्र में तैरती है। दुनिया में प्रचलित सुख हमेशा साथ नहीं रहते हैं। यही कारण है कि उन्हें अस्थिर कहा जाता है। उन पर सदैव दुःख की

छाया रहती है। हे मेघ! आप आएं और अपनी क्रांति के साथ इस दुखी दिल वाले दुनिया को खुशी दें। इसका मतलब है कि गर्मी से बेहाल लोग बादलों की गर्जना को सुनकर खुश हैं। उसी तरह, शोषण और उत्पीड़न से परेशान लोग क्रांति से खुश होंगे।

2. महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 'ने पूंजीपतियों के विलासी जीवन पर कटाक्ष करते हुए बादल को क्रांति का प्रतीक बताया है। वे पूँजीपतियों की ऊँची-ऊँची इमारतों को सिर्फ इमारतें नहीं बल्कि ऐसी इमारतें कहते हैं जो गरीबों को आतंकित करती हैं। वे गरीबों का शोषण करते हैं। लेकिन वे यह भी याद दिलाते हैं कि क्रांति का बिगुल हमेशा गरीबों ने ही बजाया है। कवि ने पूंजीपतियों को कीचड और क्रान्ति को जल-प्लावन कहा है।

PAGE 44, अभ्यास - कला की बात

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - कला की बात :1

पूरी कविता में प्रकृति का मानवीकरण किया गया है। आपको कविता का कौन-सा मानवीय रूप पसंद आया और क्यों?

उत्तर: महाकवि निराला ने इस पूरी कविता में ही प्रकृति का

अद्भुत और अप्रतिम मानवीकरण किया है,विशेष रूप से ये:
हँसते हैं छोटे पौधे लघु-भार शस्य अपार,
हिल-हिल,खिल-खिल,हाथ-हिलाते,तुझे बुलाते,तुझे बुलाते,
विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते।

इस पंक्ति में, छोटे पौधों को बच्चों की तरह दिखाया गया है। कविराज ने जिस तरह से बच्चों के बात करने और खुशी मनाने, हँसने, हिलने, हाथ मिलाने और अपने माता-पिता को बुलाने के लिए सभी लुभावना भावनाओं और प्रलापों को व्यक्त किया है। खूबसूरती से पौधे में दिखाया गया है। पौधों का यह मानवीकरण दिल को छूता है, सबसे बड़ी बात यह है कि मानवीकरण बहुत सरल शब्दों में किया जाता है। रंति । का समर्थन करते हुए अपनी खुशी जाहिर करते हुए।

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - कला की बात :2

कविता में रूपक अलंकार का प्रयोग कहाँ -कहाँ हुआ है ? संबंधित वाक्यांश को छाँटकर लिखिए।

उत्तर:

1. तिरती है समीर-सागर पर
2. अस्थिर सुख पर दुःख की छाया
3. यह तेरी रण-तरी
4. भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
5. ऐ विप्लव के बादल
6. ऐ जीवन के पारावार

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - कला की बात :3

इस कविता में बादल के लिए ऐ विप्लव के वीर!, ऐ जीवन के पारावार! जैसे संबोधनों का इस्तेमाल किया गया है। बादल राग कविता के शेष पाँच खड़ों में भी कई संबोधनों का इस्तेमाल किया गया है। जैसे- अरे वर्ष के हर्ष!, मेरे पागल बादल!, ऐ निर्बंध!, ऐ स्वच्छंद!, ऐ उद्दाम!, ऐ सम्राट!, ऐ विप्लव के प्लावन!, ऐ अनंत के चंचल शिशु सुकुमार!, उपर्युक्त संबोधनों की व्याख्या करें तथा बताएँ कि बादल के लिए इन संबोधनों का क्या औचित्य है?

उत्तर:

उपरोक्त संबोधनों का प्रयोग करके कवि ने ना केवल कविता की सार्थकता को बढ़ाया है,बल्कि प्रकृति के सर्वाधिक

महत्वपूर्ण उपादान का सुन्दर चित्रण भी किया है ।बादल के लिए किये संबोधनों की व्याख्या निम्न प्रकार है:

अरे वर्ष के हर्ष!	- ख़ुशी का प्रतीक
मेरे पागल बादल!	- मदमस्ती का प्रतीक
ऐ निर्बंध!	- बन्धनहीन
ऐ उद्दाम!	- स्वतंत्र घूमने वाले
ऐ सम्राट!	- भयहीन
ऐ विप्लव के प्लावन!	- सर्व शक्तिशाली
ऐ अनंत के चंचल शिशु सुकुमार!	- बच्चों के समान चंचल

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - कला की बात :4

कवि बादलों को किस रूप में देखता है ? कालिदास ने मेघदूत काव्य में मेघों को दूत के रूप में देखा। आप अपना कोई काल्पनिक बिंब दीजिए।

उत्तर: कविवर अनैतिक बादलों को क्रांति के प्रतीक के रूप में देखते हैं। अपने आह्वान के द्वारा वे समाज में फैले शोषण को समाप्त करना चाहते हैं ताकि शोषित वर्ग को उनके अधिकार मिल सकें।

काल्पनिक बिम्ब: हे आशा के रूपक!हमे अपनी उजली और छोटी-छोटी बूंदों से जल्दी ही सिक्त कर दो जिनमे जीवन का राग छुपा है।हे आशा के संचारित बादल!

12:1:7:प्रश्न - अभ्यास - कला की बात :5

कविता को प्रभावी बनाने के लिए कवि विशेषणों का सायास प्रयोग करता है जैसे- अस्थिर सुख। सुख **के साथ अस्थिर विशेषण के प्रयोग ने सुख के अर्थ में विशेष प्रभाव पैदा कर दिया है। ऐसे अन्य विशेषणों को कविता से छाँटकर लिखें तथा बताएँ कि ऐसे शब्द-पदों के प्रयोग से कविता के अर्थ में क्या विशेष प्रभाव पैदा हुआ है?**

उत्तर: प्रस्तुत कविता में कवि ने अनेक विशेषणों का प्रयोग किया है जो निम्नलिखित हैं:

1.निर्दय विप्लव : विनाश को अधिक निर्मम और विनाशक बताने हेतु

2.दग्ध हृदय : दुःख की अधिकता हेतु

3.वज्र हुंकार : हुंकार की भीषणता बताने हेतु

4.सजग-सुप्त-अंकुर : धरती के भीतर सोये किन्तु सजग अंकुर के लिए

5.गगन-स्पर्शी : बादलों की अत्यधिक ऊँचाई बताने हेतु

6.आतंक-भवन : वह भयावह भवन जो आतंकित कर दे

7.जीर्ण बाहु : दुर्बल भुजाएं/ बाँहें

8.रुद्ध कोष : भरे हुए खजानों के हेतु

9.त्रस्त-नयन : आँखों की व्याकुलता

10.प्रफुल्ल जलज : खिला हुआ कमल